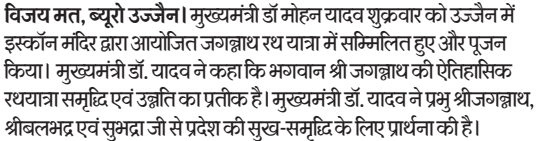


मानवता के दिशा में उठाया
गया प्रत्येक कदम आपकी स्वयं
की चिंताओं को कम करने में मील
का पत्थर साबित होगा।
▶▶ **स्वामी श्री सुदर्शनार्च्य जी**

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र



पूरी, पुजेसी। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई है। सबसे पहली भगवान बलभद्र का रथ निकले ने खींचा। कुछ दूर खींचने के बाद अलग रथ चक्र गया है। दोती से खींचा और भगवान जगन्नाथ का रथ कुछ दूर तक ही खींचा गया ये दोनों रथ मंदिर के पास ही रुकें हैं। अहमदाबाद में तीनों रथ दरियापुर तंतु चौकी से शाहपुर की ओर आगे बढ़ गए हैं। सुबह मंगल आदी विधि विधान पूजा के बाद भगवान जगन्नाथ को नंदी घोष रथ पर, विराजित कर दपलंदल और बलभद्र को तालचक्र रथ पर, दरिगाज किया गया है। रथ पर भगवान की विधि तंतु पूजा और भोग हुआ। दोपहर 3 बजे पुरी राजपरिवार के गजपति दिव्य सिंघ देव रथ के आगे सोने के झंडा से सज्जित नाट्य रथ यात्रा की शुरूआत की। रथ से भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ करीब 3 किलोमीटर दूर गुडिया मंदिर जाएंगे। ये उनकी मौसी का घर माना जाता है। उस, अहमदाबाद समेत देश के कई शहरों में रथ यात्राएं निकाली गई हैं। अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह 4 बजे मंगल आदी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाण्डित विधि कर रथ यात्रा की शुरूआत की। रात तकरीबन 8:30 बजे भगवान वापस मंदिर लौटेंगे।

**पुरी में भगवान जगन्नाथ की दिव्य
रथयात्रा में दिखा भक्ति का समुद्र**

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतुल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यूँहारी ■ अनुपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मूलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

विकसित मध्यप्रदेश और आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ एमएसएमई

भोपाल। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) न केवल भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन को आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक रोजगार से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी हैं। वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 27 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस' घोषित किया गया था। इसका उद्देश्य सतत विकास के लक्ष्यों में एमएसएमई के योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा लक्ष्य एमएसएमई के माध्यम से प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को स्वरोजगार अथवा रोजगार से जोड़ने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस क्षेत्र को भारतीय औद्योगिक ढांचे की बुनियाद बताया है। एमएसएमई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा है कि हम इस क्षेत्र के पोषण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विधायक शर्मा की उपस्थिति में हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन समारोह

भोपाल। जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने के संकल्प के साथ ग्राम पंचायत सिक्कराबाद में आज जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य समापन विधायक रामेश्वर शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को खेत तालाब निर्माण के लिए प्रेरित किया और जल संरक्षण को भावी पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उत्तरदायित्व बताया। उन्होंने कहा कि खेत तालाब केवल जल संग्रहण के साधन नहीं, बल्कि किसानों की आत्मनिर्भरता की नींव हैं। अभियान के अंतर्गत भोपाल जिले में 18.92 करोड़ रुपये की लागत से 927 खेत तालाबों के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही, 1.68 करोड़ रुपये की लागत से 673 डगवेल रिचार्ज कार्यों को भी मंजूरी मिली है। जनपद पंचायत फंडा अंतर्गत 2.73 करोड़ रुपये के 156 खेत तालाब और 0.31 करोड़ रुपये के 124 डगवेल रिचार्ज कार्यों को स्वीकृति दी गई है। वन अधिकार पट्टा धारकों को विशेष प्राथमिकता देते हुए ग्राम भानपुर केकड़िया और कालापानी में उन्हें लाभान्वित किया गया है। इन हितग्राहियों को मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से बीज और पॉलीटैक हेतु आवश्यक पॉलिथीन भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अतिरिक्त आय का साधन भी प्राप्त कर सकें।

लोक निर्माण विभाग हरियाली और जल संरक्षण पर चलाएगा व्यापक अभियान

भोपाल। लोक निर्माण विभाग अब निर्माण कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन की दिशा में प्रभावी प्रयास कर रहा है। विभाग द्वारा आगामी 1 जुलाई 2025 को "एक पेड़ मी के नाम" अभियान के अंतर्गत एक लाख पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम स्कूलों में संचालित 'एक पेड़ मी के नाम 2.0' अभियान से भी समन्वित रहेगा। विभाग ने अभियंताओं को वृक्षारोपण स्थलों की पहचान, पौधों की उपयुक्त प्रजातियों के चयन तथा जिम्मेदारियों के निर्धारण के निर्देश दिए हैं। विभाग ने हरियाली को संरक्षित करने के लिए पेड़ों के स्थानांतरण यानि ट्री-शिफ्टिंग की नीति को अपनी दर सूची प्लेसओआर में शामिल किया है। इसके तहत निर्माण कार्यों के दौरान पेड़ों को काटने के बजाय सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। भोजपुर-बंगरसिया मार्ग के 4 लेन चौड़ीकरण कार्य में 450 से अधिक पेड़ों को रिपट किया जाएगा।

आमजनों के प्रति संवेदनशील ऊर्जा महकमा, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नवंबर-1

भोपाल। लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विभागों की जारी ग्रेडिंग में एक मई से 31 मई 2025 तक की स्थिति में शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नम्बर-1 है। जून 2023 से अगस्त 2024 तक भी ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। दूसरे नम्बर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग है। नोटवैल है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी गत दिनों सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में ऊर्जा विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी थी।

विजय मत एंकर

महापौर मालती राय ने जोन ₹ .10 एवं 21 के कार्यों की समीक्षा की

वर्षा ऋतु में नाला-नालियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने हेतु भी निर्देशित किया

- सभी वार्ड क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर से बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं

विजय मत, भोपाल

महापौर श्रीमती मालती राय द्वारा शहर के नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत निगम के जोन कार्यालयों के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में महापौर श्रीमती राय ने शुक्रवार को जोन क्र. 10 एवं 21

के कार्यों की समीक्षा की और सभी वार्ड क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने, विकास एवं जनसुविधा संबंधी कार्यों को शीघ्रता से निष्पादित करने, राजस्व आय एवं राजस्व वसूली में वृद्धि हेतु प्राथम्वी कार्यवाही करने, वर्षा ऋतु में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित

कराने तथा नाला-नालियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने और शहर में कहीं भी जल उहराव की स्थिति निर्मित न होने देने, पेड़-पौधों की आवश्यकता अनुसार कटाई, छटाई कराने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान महापौर परिषद के सदस्यद्वय श्रीमती सुषमा बाबीसा व जगदीश यादव, जोन अध्यक्षद्वय बाबूलाल यादव व

श्रीमती आरती अनेजा, पार्षदद्वय अजीजुद्दीन, श्रीमती राजमणि ऊइके के अलावा जोनल अधिकारीगण, संबंधितों जोंनों के यांत्रिक, जलकार्य व विद्युत विभागों के सहायक यंत्रीगण आदि मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने आई.एस.बी.टी. स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में जोन क्र.

10 एवं 21 के अंतर्गत साफ-सफाई, जलापूर्ति, यांत्रिक कार्यों, स्ट्रीट लाईट के अलावा अन्य विकास एवं जनसुविधा के कार्यों व राजस्व वसूली की समीक्षा की। महापौर श्रीमती राय ने निर्देशित किया कि मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने व विकास एवं जनसुविधा संबंधी कार्यों को शीघ्रता से निष्पादित किए जाए।

श्रीमती राय ने शहर की साफ-सफाई की और अधिक बेहतर बनाए रखने तथा वर्षा ऋतु में नाला-नालियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने, जल की निकासी को निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने व शहर में कहीं भी जल उहराव की स्थिति निर्मित न होने देने के निर्देश दिए साथ ही निर्देशित किया कि पेड़-पौधों की भी आवश्यकतानुसार कटाई, छटाई की जाए। महापौर श्रीमती राय ने यांत्रिक संबंधी कार्यों, स्ट्रीट लाईटों में आवश्यक सुधार कार्यों को त्वरित गति से कराने व पर्याप्त मात्रा में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती मालती राय ने राजस्व आय एवं राजस्व वसूली में वृद्धि करने के निर्देश दिए साथ ही अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही सख्ती के साथ करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मती इला तिवारी ने शुक्रवार को जनपद पंचायत, बैरसिया के ग्राम कोलूखेडी पहुंचकर जैविक खेती के विषय पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा की। जैविक खेती से जुड़ने,उससे होने वाले फायदे एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा कर समस्या के समाधान के लिए सम्बन्धितों को निर्देशित किया। भ्रमण के दौरान आजीविका मिशन अंतर्गत महिलाओं द्वारा किये जा रहे जैविक खेती के कार्य की सराहना करते हुए सीईओ ने कृषकों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा। तत्पश्चात सीईओ ने शासकीय स्कूल एवं आंगनवाडी भवन पहुंचकर शैक्षणिक गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी ली एवं बच्चों से चर्चा की। ग्राम कोलूखेडी के बाद सीईओ ने ग्राम सिंधोडा, परसोरा, भमौरा एवं गुन्गा पहुंचकर मनरेगा अंतर्गत



निर्मित किये गए अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिंधोडा में निर्मित किय जा रहे अमृत सरोवर पर वेस्ट वियर का निर्मित किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। तत्पश्चात हितग्राही भंवरलाल,गुलाब सिंह के आवास का निरीक्षण किया। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ मिशन अंतर्गत किये गए कार्यों नाली निर्माण, एण्ड पाईट स्ट्रक्चर आदि निरीक्षण किया। स्कूल एवं आंगनवाडी केन्द्रों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए परिसर में लगे हैण्डपम्प को ठीक करवाने हेतु पी.एच.ई. विभाग को निर्देशित किया।

जेपी आंदोलन में रही थी युवाओं की सक्रिय भूमिका: विष्णुदत्त शर्मा

आपातकाल लगाना एक ऐतिहासिक गलती थी, इसे याद रखें युवा : मोहन



कूर्सी बचाने इंदिरा गांधी ने किया संविधान की हत्या का पाप: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गलत तरीके से चुनाव जीता था। उस चुनाव में राज नारायण हार गए थे और उन्होंने हाईकोर्ट में पिटीशन दायर की। तीन साल तक चुनाववाई चली और राजनारायण ने हाईकोर्ट में ये सिद्ध किया कि इंदिरा गांधी ने गलत तरीके से और शासन-प्रशासन का दुरुपयोग कर चुनाव जीता है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जो शिकायत की गई है, वह सही है और इंदिरा गांधी का निर्वाचन अवैध है। बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान बनाते समय कहा था कि संविधान में सब कुछ है, बस इतका पालन करना जरूरी है। अगर संविधान का लागू करने वाले ही करप्ट हो जाएंगे तो फिर देश का लोकतंत्र कहा जायेगा? 12 जून को तो हाईकोर्ट का फैसला आया और 25 जून तक पूरे देश में आंदोलन होने लगा। हाईकोर्ट के फैसले को लागू करने में कितनी देर लगानी चाहिए? लेकिन इंदिरा गांधी ने न्यायलय का आदेश को न मानते हुए पूरे देश में आपातकाल लगा दिया। हमारे देश में संघीय शासन व्यवस्था है और अगर दो तिहाई राज्य सरकारें प्रस्ताव भेजती हैं, तभी इमरजेंसी लगाई जा सकती है। लेकिन किसी भी राज्य सरकार ने कोई प्रस्ताव नहीं भेजा। कैबिनेट की बैठक भी नहीं बुलाई।

लोकतंत्र को अपमानित किया था, तो आज की कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी संविधान लिखी नकली किताबें लहराकर देश को

धोखा दे रहे हैं। देश के लिए सबसे बड़ा खतरा वंशवाद है और यह तभी खत्म होगा जब साधारण घरों एवं परिवारों से ईमानदार और देशभक्त

युवा राजनीति में आगे आएंगे। युवा संसद को युवा मोर्चे के प्रदेश प्रभारी रोहित चहल एवं प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने भी संबोधित किया।

आपातकाल लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा

हमला था: विष्णुदत्त शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं, सेनाएं अधिकार संपन्न हैं और देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज भारत की सेन्य शक्ति दुनिया में चौथे स्थान पर है। आज भारत चंद्रयान के द्वारा चांद पर पहुंच गया है। लेकिन हमारी यह यात्रा उन हजारों लाखों लोगों के संघर्ष, बलिदानों से होकर गुजरी है, जिन्होंने आपातकाल के दौरान अपार कष्ट और प्रताड़ना सहें।

कांग्रेस पार्टी ने अपने निज

स्वायों के लिए संविधान में कई

संशोधन किए: रोहित चहल

युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी रोहित चहल ने कहा कि कांग्रेस ने आज से 50 साल पूर्व आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र के माथे पर कलंक लगाने का काम किया था। इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी ने अपने निज स्वायों के लिए संविधान में कई संशोधन किए। कांग्रेस के नेहरू-गांधी परिवार राजशाही में राज करना चाह रहे थे, इसलिए भी देश में आपातकाल लगाया गया, ताकि कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार देश पर राज करता रहे।

कांग्रेस और कांग्रेस नेतृत्व लोकतंत्र के लिए खतरा: वैभव पंवार

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। देश की आजादी के बाद सत्ता में रही कांग्रेस ने बार-बार संविधान का गला घोंटा। कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर संविधान, मौलिक अधिकारों और स्वतंत्र पत्रकारिता तक को कुचल दिया था। कांग्रेस और इंदिरा गांधी को हाथ से देश की सत्ता जाते हुए देखी, इसलिए देश में आपातकाल लगा दिया गया। नेहरू-गांधी परिवार जनसमर्थन से नहीं, बल्कि झूठ, छल, कपट और बेईमानी से सत्ता में बने रहना चाहता था। कांग्रेस और कांग्रेस नेतृत्व लोकतंत्र के लिए खतरा है, इसलिए हमने देश को बचाने का संकल्प लिया है। आपातकाल के दौरान कितने ही लोगों का जीवन समाप्त कर दिया गया और कितने ही परिवारों की खुशियां छीन ली गईं।

प्रकृति पुत्र राजा भभूत

सिंह के अवदान पर

सांगीतिक प्रस्तुति कल

भोपाल। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय के सभागार में 29 जून 2025, रविवार को शाम 7-00 बजे कोरकू जनजाति के प्रकृति प्रेमी और वीर राजा भभूत सिंह के अवदान पर आधारित एक विशेष सांगीतिक प्रस्तुति एवं कोरकू जनजाति के गदली एवं थापटी नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महाराजा विक्रमादित्य शोभपीठ एवं मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। महाराजा विक्रमादित्य शोभपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने कहा कि राजा भभूत सिंह कोरकू जनजाति के ऐसे नायक रहे हैं जिन्होंने अपने जीवन में प्रकृति और मानव के सहअस्तित्व को सर्वोच्च स्थान दिया। उनका पर्यावरण संरक्षण एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। प्रकृति पुत्र भभूत सिंह की स्मृति में उनके जीवन पर एकग्र सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन भोपाल के मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में किया जा रहा है।

बाढ़ से निपटने भोपाल के बड़े तालाब में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना ने की मॉक ड्रिल

टीम ने किया लाइव रेस्क्यू

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब में शुक्रवार को एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल), एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) और भारतीय सेना की संयुक्त टीम ने बाढ़ से बचाव और राहत अभियान को लेकर एक मॉक ड्रिल की। डेमोस्ट्रेशन के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों की तरह पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। टीम के सदस्य तालमेल के साथ बोट में सवार होकर पानी के बीच पहुंचे और डूबते व्यक्ति की लोकेशन ट्रैस कर उसे बचाया। यह दिखाया गया कि किस तरह एसडीआरएफ टीम वायरलेस और कॉलिंग के जरिए एक-दूसरे से समन्वय करती है और हर एक्शन प्लान को टीम भावना से अंजाम देती है। अधिकारियों ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में तुरंत और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, बचाव और राहत कार्यों में दक्षता बढ़ाना और विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग और समन्वय को मजबूत करना था। इस संयुक्त अभ्यास में बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राहत, खोज और बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पेड़ों से धिरे घरों में फंसे लोगों को बचाना और नावों और रस्सियों की मदद से



उन्हें बचाने जैसी आपात स्थितियों से निपटने का अभ्यास किया। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ और सेना के जवानों की टीम ने बाढ़ राहत उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), जेएन कंसोेटिया ने कहा कि आज हमारी सेना और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) टीम द्वारा एक मॉक ड्रिल की गई। बाढ़ की स्थितियों से निपटने और इससे प्रभावित लोगों को बचाने के प्रयास किए गए। इस मॉक ड्रिल में अलग-अलग परिस्थितियां बनाई गईं, जैसे किसी टापू पर फंसे व्यक्ति को बचाना, पानी या पेड़ों से धिरे घर में फंसे व्यक्ति को बचाना।

इंदौर में हर घर के बाहर लगेंगे क्यूआर कोड, डिजिटल पते का पायलेट प्रोजेक्ट कल से शुरू

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

इंदौर में नगर निगम एक आधुनिक सुविधा प्रदान करने जा रहा है। शहर में साढ़े चार लाख से ज्यादा मकानों का डिजिटल पता रहेगा। घरों व फ्लैटों के बाहर क्यूआर कोड लगा रहेगा। उसे स्कैन करते ही मोबाइल पर डिजिटल पेज खुल जाएगा। बिजली पानी के बिलों का भुगतान उसके जरिए होगा। इसके अलावा प्रमाण पत्र, संपत्ति कर की जानकारी भी मिल सकेगी। क्यूआर कोड शेरयर करके मकान मालिक अपने घर की सही लोकेशन भी भेज सकेगे।

मेयर पुष्पमित्र भार्गव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार के



डिजीपिन प्लेटफार्म से जोड़ा गया है। पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर एक वार्ड 82 में से शुरू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसे अपनाने वाला इंदौर पहला देश होगा। 29 जून से इसकी शुरुआत हो जाएगी। इसकी तकनीक जीपीएस से ज्यादा सटीक है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल पदे में निजता और डेटा सुरक्षित

सीईओ मती इला तिवारी ने किया बैरसिया की पंचायतों का निरीक्षण

- जैविक खेती के विषय पर महिलाओं से की चर्चा, मनरेगा-आवास के कार्य भी देखे

विजय मत, भोपाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मती इला तिवारी ने शुक्रवार को जनपद पंचायत, बैरसिया के ग्राम कोलूखेडी पहुंचकर जैविक खेती के विषय पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा की। जैविक खेती से जुड़ने,उससे होने वाले फायदे एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा कर समस्या के समाधान के लिए सम्बन्धितों को निर्देशित किया। भ्रमण के दौरान आजीविका मिशन अंतर्गत महिलाओं द्वारा किये जा रहे जैविक खेती के कार्य की सराहना करते हुए सीईओ ने कृषकों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा। तत्पश्चात सीईओ ने शासकीय स्कूल एवं आंगनवाडी भवन पहुंचकर शैक्षणिक गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी ली एवं बच्चों से चर्चा की। ग्राम कोलूखेडी के बाद सीईओ ने ग्राम सिंधोडा, परसोरा, भमौरा एवं गुन्गा पहुंचकर मनरेगा अंतर्गत

संस्थापक

श्री रामसिपाही शुक्ल

अपेक्षा और उपेक्षा के दोराहे

पर खड़ा मानव जीवन

अपेक्षा एक ऐसा शब्द है जिसका अर्थ है किसी से कुछ आशा रखना, कुछ प्राप्ति की इच्छा रखना। सामाजिक सम्बन्धों में, पारिवारिक सम्बन्धों में यदि मानव ने किसी से भी प्राप्त करने की आशा रखी कि सम्बन्ध में कुछ कड़वाहट का आभास होने लगता है। ऐसे नकारात्मक विचारों का प्रवेश हमारे मस्तिष्क में होने लगता है कि आपसी सम्बन्धों में वैमनस्य दृष्टिगोचर होने लगता है जो हमारे लिए दुरूख का कारण हो जाता है। अपेक्षा रखना ही है तो हमें परमपिता परमेश्वर को हृदय से स्मरण करो वे आपकी अपेक्षा अवश्य पूरी करेंगे। शिशु अपने माता-पिता से अपेक्षा रखता है। किशोरवय बालक भी जब तक स्वावलंबी न हो जाए तब तक माता-पिता पर ही निर्भर रहता है। मानव को भी ईश्वर से अपेक्षा रखना चाहिए, अपने पारिवारिक सदस्यों से नहीं। सामान्यतरु कई माता-पिता की यह विचारधारा होती है कि मैंने अपनी सन्तानों के लिए जीवन में बहुत त्याग किया अतरु बदले में वे भी मेरे लिए कुछ करें- ऐसा सोचना, उनसे अपेक्षा रखना एकदम हर समय सम्भव नहीं है। ऐसी सोच जीवन में शून्यता लाती है। पारिवारिक सम्बन्धों में दूरार उत्पन्न करती है। स्वयं संतानों का यह कर्त्तव्य है कि वे इस विषय पर विचार करें। हमारा उन्हें बारम्बार कहना जीवन में निराशा को जन्म देता है और वातावरण को नकारात्मक बनाना है। अपेक्षा की भावना रखने से जीवन में कटुता, वैमनस्य, द्वेष, अशान्ति, ईर्ष्या, प्रतिशोध, असन्तोष जैसे विकारों को प्रस्फुटित करता है। अतरु ऐसे कुत्सित विचारों को अपने मन में प्रवेश न दें तो आपसी सम्बन्धों में सामंजस्य बना रहेगा। परिवार में सुख शान्ति रहेगी। घर का वातावरण सुखद रहेगा। उच्च रक्तचाप, शुगर, हृदय रोग जैसी व्याधियों से रक्षा होगी और प्रेम, दया, सेवा, सहानुभूति त्याग की भावना से घर महकता रहेगा। परम पिता परमेश्वर से उनकी कृपा पाने की अपेक्षा रखो। ईश्वर में श्रद्धा रखना चाहिए, विश्वास रखना भी अति आवश्यक है, प्रतिदिन भगवान से प्रार्थना भी करना चाहिए, इससे आत्मा को शान्ति प्राप्त होती है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

भारतीयविजन 2047 के विकास पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की मांग

किशन सनमुखदास भावनाजी

वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है। हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि अपने देश को आधुनिकता की दिशा में आगे बढ़ा सके।भारत ने भी अपना विजन 2047 रूपी विकसित भारत का विकासपत्र तैयार किया है, जिसमें आगे बढ़ाने की प्लान हमने पूर्ण बजट 23 जुलाई 2024 में भी देखें। परंतु इस बजट में ध्यान देने योग्य बात यह है कि माननीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में देश के विकास पथ में विकास और विरासत दोनों पर सरकार के जोर को रेखांकित किया जो ध्यान देने योग्य बात है। वित्तमंत्री ने 2024 के लिए संस्कृत क्षेत्र के लिए 326.93 करोड़, पुरातत्व सर्वेक्षण क्षेत्र के लिए 1273.91 करोड़, पुस्तकालय एवं अभिलेखागार के लिए 188.21 करोड़ व संग्रहालय के लिए 123.72 करोड़ व पर्यटन के लिए 2479.62 करोड रुपए आवंटित किए हैं जो रेखांकित करने वाली बात है। बता दें 21-31 जुलाई 2024 तक 16 वां विश्व धरोहर समिति सत्र 2024 शुरू है, जो भारत में पहली बार हो रहा है, जिसमें 150 देशों से अधिक के 2000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं हालांकि हम विकास पथपर तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं परंतु हमें भारत की पौराणिक व पारंपरिक संस्कृति विरासत पांडुलिपि धरोहर स्मारकों को सहेज कर रखने के लिए हमारी नई पीढ़ी, युवाओं को जागरूक करने की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए सरकार ने भी मेरा गांव मेरी धरोहर, भारतीय संस्कृति व विरासत के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने व राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन तथा राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चल रहा है जिसकी जानकारी सरकार ने 25 जुलाई 2024 को केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी थी,जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूंकि आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति विरासत पुरातत्व पांडुलिपि को बचाना अत्यंत जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय विजन 2047 के पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की है, व युवाओं को भारतीय संस्कृति, विरासत, पांडुलिपि कला प्रथाओं धरोहर स्मारक के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंतजरूरी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) –साभार

अब गौ -पालकों को भी भा रहे मोहन, नई लकीर खींच रहे मोहन

हर्षवर्धन पांडे

मध्यप्रदेश में गौ- संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गौ- संरक्षण के क्षेत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जमीनी समर्पण निरंतर दिखाई देता है।डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार ने गौ-शालाओं की संख्या में वृद्धि की और साथ ही उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया। इन गौ-शालाओं में न केवल गायों की देखभाल होती है बल्कि इनका उचित आहार, चिकित्सा और सुरक्षा की भी व्यवस्था की गई है। डॉ. यादव ने राज्य में गौ-शालाओं की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ इनकी स्थिति में सुधार भी किया है। वर्ष 2024 को गौ-संरक्षण और

संवर्धन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लेकर सरकार ने इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की है। गौ-संवर्धन के विकास व संरक्षण के लिए वर्ष 2024-25 के लिए 590 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इस वर्ष मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए बजट में 150 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। गौ-वंश वध प्रतिषेध संशोधित कानून 2024 के तहत गौ- तस्करी पर मोहन सरकार ने कड़ा रुख अपनाया गया है। इस कानून के तहत दोषियों को सात साल की सजा का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए कलेक्टर कोर्ट में पेशी अनिवार्य है। यह कानून गौ- तस्करों पर नकेल कसने में प्रभावी सिद्ध हुआ है।गौ-वंश की सुरक्षा के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया जिसने विशेष अभियान चलाकर गौ संरक्षण को प्रदेश में काफी सशक्त किया है। प्रदेश में 10 या अधिक गायों का पालन करने वाले गौपालकों को विशेष अनुदान और क्रेडिट कार्ड सुविधा प्रदान की जा रही है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए दूध पर बोनस देने की योजना भी प्रदेश में शुरू की गई है। इसके तहत दुग्ध संकलन पर 5 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में गाय के पालन के लिए अनुदान दिया जा रहा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर दुग्ध उत्पादन योजना के तहत 25 गाय या भैंस पालने वालों को 25त अनुदान दिया जा रहा है। राज्य सरकार गौ सेवा के क्षेत्र में गोपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थागत एवं व्यक्तिगत पुरस्कार दे रही है।गौशालाओं में दी जाने वाली आहार राशि को 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये किया गया। 2024-25 में इस योजना का बजट 250 करोड़ रुपये तय किया गया है। 10 से अधिक गाय पालने वाले किसानों को विशेष अनुदान दिया जाएगा।प्रदेश में गायों के संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि गायें सर्वश्रेष्ठ हैं और उनके संवर्धन से किसानों और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत



क्षमता वाला सीएनजी प्लांट स्थापित किया गया है जो गौशालाओं में गोबर का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है। गौ-शालाओं में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिससे बिजली खर्च कम होगा और गौ-शालाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। मार्गों पर दुर्घटनाग्रस्त गायों के लिए हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहनों की व्यवस्था शुरू की गई है, जो गौवंश को निकटतम गौ-शालाओं तक पहुंचाने में सहायक है। सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाली गायों को गौ-शालाओं में सुरक्षित स्थान दिया जाएगा।मध्यप्रदेश देश में दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है जहां प्रतिदिन 591 लाख किलोग्राम दूध का उत्पादन होता है। प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 644 ग्राम प्रतिदिन है जो राष्ट्रीय औसत 459 ग्राम से कहीं अधिक है।अगले पांच वर्षों में दुग्ध उत्पादन को 20त तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए दुग्ध संघों और सहकारी समितियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गौ- पालन को ग्रामीण विकास के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने गायों से प्राप्त दूध, गोबर और गौमूत्र के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में पर्याप्त जोर दिया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) – साभार

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार हैं, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर हैं। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। ज़रूरत है मानसुनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैयानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।



महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, +ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों

को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामले में संबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रक्षा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं,

इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदे नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमति मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नंकन करने के साथ ही राजस्व नक्शे में नॉटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वाधं की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वाधं से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)– साभार

शब्द पहेली - 8411

बाएँ से दाएँ

ऊपर से नीचे

	1	2			3		4
5				6			
7					8	9	
				10	11		
12	13		14		15	16	
			17	18			
19		20		21			22
		23					
				24			

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

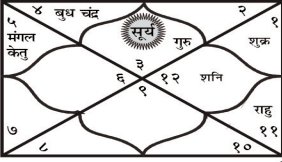
2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी)-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3

11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2, 3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली - 8410 का हल

	बे	चा	रा		जी	व	न	
कि	ला		ई		न		भ	ला
ता		क	स	र	त			य
ब	द	ला		थ		ह	ल	क
		का	ष्ठ		म	नु		
म	क्रा	र		रा		मा	म	ला
ही			अ	न	ब	न		न
ना	ग		द		हा		भा	त
	म	ल	ना		व	च	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग	
28 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति	शनिवार 2025 वर्ष का 179 वा दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
	विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास आषाढ पक्ष शुक्ल तिथि तृतीया 09.55 बजे को समाप्त। नक्षत्र पुष्य 06.36 बजे को समाप्त। योग हर्षण 19.15 बजे को समाप्त। करण पर 09.55 बजे तदनन्तर वणिज 21.29 बजे को समाप्त।
ग्रह स्थिति सूर्य मिथुन में चंद्र कर्क में मंगल सिंह में बुध कर्क में गुरु मिथुन में शुक्र मेष में शनि मीन में राहु कुंभ में केतु सिंह में	लग्नारंभ समय कर्क 06.40 बजे से सिंह 08.57 बजे से कन्या 11.09 बजे से तुला 13.19 बजे से वृश्चिक 15.34 बजे से धनु 17.50 बजे से मकर 19.55 बजे से कुंभ 21.42 बजे से मीन 23.14 बजे से मेघ 00.45 बजे से वृष 02.25 बजे से मिथुन 04.23 बजे से
चन्द्रायु 02.6 घण्टे रवि कान्ति उत्तर 23° 17' सूर्य उत्तरायन कलि अहरण 1872389 जुलियन दिन 2460854.5 कलियुग संवत् 5125 कल्गारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि युगारंभ संवत् 1955885123 वैारिर्वाण संवत् 2551 हिजरी सन् 1446 महीना मोहरम तारीख 02 विशेष विनायक चतुर्थी।	रात का चौघड़िया लाभ 05.37 से 07.10 बजे तक उद्देग 07.10 से 08.42 बजे तक शुभ 08.42 से 10.14 बजे तक अमृत 10.14 से 11.47 बजे तक चर 11.47 से 01.19 बजे तक रोग 01.19 से 02.51 बजे तक काल 02.51 से 04.23 बजे तक लाभ 04.23 से 05.56 बजे तक रात का चौघड़िया लाभ 05.37 से 07.10 बजे तक उद्देग 07.10 से 08.42 बजे तक शुभ 08.42 से 10.14 बजे तक अमृत 10.14 से 11.47 बजे तक चर 11.47 से 01.19 बजे तक रोग 01.19 से 02.51 बजे तक काल 02.51 से 04.23 बजे तक लाभ 04.23 से 05.56 बजे तक
दिन का चौघड़िया काल 05.55 से 07.23 बजे तक शुभ 07.23 से 08.51 बजे तक रोग 08.51 से 10.19 बजे तक उद्देग 10.19 से 11.46 बजे तक चर 11.46 से 01.14 बजे तक लाभ 01.14 से 02.42 बजे तक अमृत 02.42 से 04.10 बजे तक काल 04.10 से 05.37 बजे तक	शुभव श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ मध्यम चर, अशुभ उद्देग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

Near Akashvani Kendra, Behind
Forest Barrier, Pali Road,
Chandaniya, Shahdol



BRIGHTON
INTERNATIONAL SCHOOL
SHAHDOL
—
AFFILIATED TO CBSE - 1031166

ADMISSIONS

Enroll Now

OPEN 2025

THE NO. 1 CBSE DAY SCHOOL OF SHAHDOL

Nursery to XII | Progressive Learning
AC Classrooms for Pre Primary | Modern Facilities
5-Acre Campus | Playground & Swimming Pool
Franchise School | Strong Academics
Innovative & Engaging Teaching
Qualified, Caring Faculty | Safe Environment
Holistic Growth | Teacher-Parents Partnership

**Bright Minds,
Strong Values –
Nurturing the Whole
Child at Brighton!**

 **CONTACT**
78284 70060



यूज इन शॉर्ट



पुलिस ने गांजा बिछ्री करने रखे 702 ग्राम गांजा किया जब्त, आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। भालूमाड़ा पुलिस ने स्थानीय बाजार में बिछ्री के लिए रखे 702 ग्राम गांजा को जब्त करते हुए मामले में आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। जहां आरोपी के खिलाफ धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट कायम किया है। थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि 26 जून को भालूमाड़ा पुलिस द्वारा धुमा नाला के पास देवगांव मेन रोड में 39 वर्षीय राकेश चौधरी पिता स्व. सदन चौधरी निवासी ग्राम बदरा भालूमाड़ा के कच्चे से एक प्लास्टिक के थैला में 702 ग्राम अदृष्ट गांजा कीमत लगभग 7000 रुपए को जब्त किया। मामले में राकेश चौधरी निवासी ग्राम बदरा को गिरफ्तार किया गया है।

अनूपपुर, कोतमा विकासखंड के जल दूतों को जल गंगा संवर्धन का दिया प्रशिक्षण



अनूपपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह के पूर्व जल दूतों का प्रशिक्षण आयोजित किए जाने के राज्य शासन के दिशा- निर्देशों के अनुरूप विकासखंड अनूपपुर एवं कोतमा के जल दूतों का संयुक्त प्रशिक्षण जनपद पंचायत अनूपपुर के समानार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा पंजीकृत जलदूतों को निर्धारित मॉड्यूल अनुसार प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में जलदूतों की सहभागिता को वसुआर कोड के माध्यम से सुनिश्चित किया गया। प्रशिक्षित जल दूतों को जिला स्तर से मुद्रित प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर रावेन्द्र सिंह आर्या एवं विनोद तिवारी द्वारा प्रशिक्षण पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मोडल अधिकारी सहायक कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा अरविंद सिंह तथा वाटर शेड के परियोजना अधिकारी रामेंद्र कोसहरिया सहित अन्य परिष्ठ जन उपस्थित रहे।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह

सीधी । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जिले में मानसून वर्षा शुरू हो गई है। वर्षाकाल में दूषित जल के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस एवं हैजा जैसी बीमारियां फैलती हैं। अतः भोजन बनाने एवं पेयजल के उपयोग में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोएं। शुद्ध पेयजल की कमी के कारण ढेरा में जलजनित रोगों से सबसे अधिक यानि लगभग 80 प्रतिशत मौतें होती हैं। पानी और अव्यक्त आदतों से फैलने वाली बीमारियों में मोटे तौर पर दस्त, कुंभि संक्रमण, त्वचा और आंखों के रोग, मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं। बच्चों में दूषित पानी और खाद्य पदार्थों के कारण उत्प्ट-दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग न करें। खुले में शौच न करें एवं शौचालय का उपयोग करें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिक सल्वेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें। हरी सब्जी एवं फलों को साफ पानी से धोकर ही उपयोग करें। मानसून के दौरान बहुत से लोगों को आंखों के रोग हो जाते हैं। इस रोग को आई-पलू, कंजक्विटिफाइन या आखें आना के रूप में जाना जाता है। इस रोग से बचाव के लिए बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोएं, परिहार के सभी सस्त्रय अलग-अलग तौलिये एवं रुमाल का उपयोग करें, स्वच्छ पानी का उपयोग करें, बार-बार आंखों को हाथ न लगायें, दूध के पश्चने का प्रयोग करें, चिकित्सक को दिखायें। बरसात में मलेरिया और डेंगू रोग भी फैलता है जिसमें मरीज को ठंड लगकर बुखार आता है। प्रातः खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने का नाद इत्यादि में बरसात के दिनों में जल जमा हो जाता है। जिसमें मच्छर का प्रयोग करें, चिकित्सक को दिखायें। बरसात में मलेरिया और डेंगू रोग भी फैलता है जिसमें मरीज को ठंड लगकर बुखार आता है। प्रातः खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने का नाद इत्यादि में बरसात के दिनों में जल जमा हो जाता है। जिसमें मच्छर के लार्वा पैदा होते हैं जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते हैं। मलेरिया से बचाव हेतु घर के आसपास जल जमा न होने दें, रुंके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ आईल डालें। कूलर, फूफूदान, फिजर्टे आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें।

सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की होगी व्यवस्था

सीधी । स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध ऑनलाइन माध्यम से अतिथि शिक्षक व्यवस्था के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह कार्यवाही जीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से की जायेगी।निर्देशों में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक आनर्भण के लिये प्रदर्शित रिक्तियों जेनरेशन पोर्टल-3.0 के अंतर्गत जीएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। प्रमाणित रिक्तियों के विरुद्ध ही शासकीय विद्यालय में अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी। अतिथि शिक्षक के प्रथम चरण की कार्यवाही 26 जून से शुरू हो गयी है। अतिथि शिक्षक की उपस्थिति रिपोर्ट का प्रमणौकरण एक से 3 जुलाई तक किया जायेगा। पोर्टल पर द्वितीय चरण की संपादित समय-साप्तांकी 5 जुलाई से शुरू होकर 12 जुलाई तक समाप्त हो जायेगी।

हाथियों के आहार की तलाश में ग्रामीणों का घर बन रहा निशाना, रोजाना हो रहे नुकसान

10 दिनों से चारों हाथियों का बना है अस्थायी ठिकाना राजेन्द्रग्राम



विजय मत, अनूपपुर

छत्तीसगढ़ की सीमा लांचकर अनूपपुर वनमंडल में पहुंचे 4 हाथियों का दल पिछले 10 दिनों से राजेंद्रग्राम वनपरिक्षेत्र में विचरण

कर रहा है। जो आहार को तलाश में प्रत्येक रात ग्रामीणों को आवास को निशाना बनाते हुए उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं और घर के अंदर रखे अनाजों को चट किए जा रहे हैं। हाथियों का विचरण अब स्थानीय ग्रामीणों के लिए



सुसीबत से कम साबित नहीं हो रहा है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी हाथियों से ग्रामीणों के बचाव या उससे सीमा पार भेजने कोई पहल नहीं की जा रही है। जिसके कारण आए दिन

हाथियों का ताड़व ग्रामीणों के दैनिक जीवनयापन को प्रभावित करने लगा है। दसवें दिन चारों हाथियों का समूह वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम एवं थाना करनपटार के तुलरा बीट में स्थित राजस्व के जंगल में दिन में ठहरे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि 14 जून की रात चार हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके की सीमा को पार करते हुए मप्र के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील क्षेत्र में प्रवेश किया था। जिसके बाद 17 जून की रात राजेंद्रग्राम इलाके में पहुंचकर निरंतर वितरण कर रहे हैं।

वनविभाग और प्रशासन नहीं दूढ़ पा रहे हल

पूर्व में कभी कभार हाथियों का दल वनमंडल में प्रवेश करता था और कुछ दिन विचरण उपरांत

बांधवगढ़ या मारवाही की ओर निकल जाता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से हाथियों का आगमन साल में दो-तीन बार हो रहा है, जो निरंतर अनूपपुर जिले की वनसीमाओं के भीतर महीनों विचरण करता है। इस दौरान ग्रामीणों के आवास, खेतों में लगी फसलों को नुकसान तो पहुंचाता ही है, कभी कभी जनसंहार पर भी उतारू हो जाता है, जिसके कुछ उदाहरण राजेन्द्रग्राम और बिजुरी वनपरिक्षेत्र में देखने को मिले हैं। बावजूद वनविभाग और जिला प्रशासन हाथियों के सीमा पार भेजने अब तक कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बना सकी है। पूर्व में हाथियों को एक ही स्थल पर भोजन उपलब्ध कराते हुए अन्य स्थानों पर आवाजाही से रोकने जिला प्रशासन की योजनाओं पर भी वनविभाग पूर्णरूपेण कार्य करता नहीं दिख रहा है। परिणाम हाथियों का दल आए दिन अलग अलग दिशाओं में विचरण कर रहा है और इससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है।



भोपाल के चिरायु अस्पताल में भर्ती

अमन नामदेव से मिलने पहुंचे प्रवीण राय

विजय मत, अनूपपुर

14 जून की रात कोतमा थाना अंतर्गत शुक्ला ढाबा के पास हुए सड़क हादसे में घायल अमन नामदेव से मिलने के लिए नगर के शराब ठेकेदार प्रवीण राय गुरुवार को भोपाल स्थित चिरायु हॉस्पिटल पहुंचे। हादसे के बाद से ही अमन गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं, जहां अब उनकी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। प्रवीण राय ने अस्पताल पहुंचकर अमन का हालचाल जाना और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांडस बंधाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि - अमन मेरे छोटे भाई जैसा है।

हादसे की खबर मिलते ही मैं लगातार संयर्क में था और जो भी मदद बन सकी, वो मैंने पहले भी की है और आगे भी करता रहूंगा।प्रवीण राय ने अमन के स्वास्थ्य में सुधार की जानकारी देते हुए बताया कि डॉक्टरों की मेहनत और परिचार की दुआओं से अब अमन की हालत पहले से बेहतर है और जल्द ही वह पूरी तरह स्वस्थ होकर नगर लौटेगा।स्थानीय स्तर पर प्रवीण राय की इस पहल को सराहना हो रही है। अमन के परिजनों ने भी उनकी सहायता और सहयोग के लिए आभार प्रकट किया है।

उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार पुलिस विभाग का लगा कैंप मात्र शक्तियों को किया गया जागृत

विजय मत, अनूपपुर

कोतमा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरीझूड़ के पंचखुरा मे उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार पुलिस विभाग का लगा कैंप मात्र सक्तियों को किया गया जागृत एक छोटे से गाओ मे पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियो खासकर डी. आई जी मैडम शहडोल को अपने बीच मे पाकर ग्रामीड़ो के खुशी की लहर सी छ गयी। कोतमा थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने पुरे समाज को नशा मुक्ति अभियान चलाने का किये विनम्र अपील कोतमा थाना प्रभारी जी ने नशामुक्ति अभियान चलाने का सभी युआ वर्ग वा खासकर मात्र सक्तियों को आगे आने की किये अपील कहा आप लोग देश के भविष्य हो आपको किसी से डरने की जरुरत नहीं है आप लोग खुलकर सामने आये पुलिस 24 घंटे आपके साथ हैं। यातायात प्रभारी अनूपपुर ज्योति दुबे जी ट्रैफिक नियमों के बारे मे डी जानकारिया ने। शहडोल डी. आई. मैडम जी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का का दिए सन्देश डी आई जी मैडम जी ने कहा जैसे आप लोग अपने बेटे को बाहर पढ़ने को भेजते हो और बेटिओं को नहीं दोनों मे आप लोग फर्क न करें आज आप खुद भी देख लीजिये आप लोगो के बीच मे खुद आपके सामने एस डी ओ पी मैडम यातायात प्रभारी हम भी तो बेटियां हीं है हमारे जगह कल आपकी भी बेटियां हो सकती हैं इसलिए आप लोग बाल विवाह बिलकुल न



करें और अपने बेटों की तरह बेटियों को भी पढ़ा लिखा कर आगे बढ़ाये। बीट प्रभारी दिनेश राठीर जी का कार्य क्रम मे रहा अहम् भूमिका कार्यक्रम मे अपने वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशा अनुसार सुबह से लेकर शाम तक बरसते पानी मे इन्होने अपनी भूमिका निभाई वा सभी ग्राम वासियो आभार जताया। कार्यक्रम मे विशेष रूप से कोतमा जनपद के उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह जी ग्राम पंचायत के सरपंच मोहदया पिंगी सींग जी रोजगार सहायक मोहन जी मोब्लिइजर कोमल जी समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा जी अमृत लाल प्रजापति जी धर्मेन्द्र यादव जी आशीष जी ललन तिवारी जी जितेन्द्र सिंह जी आँगन बाड़ी

के सभी कार्यकर्ता वा मीडिया के रूप मे बड़े भैया सत्या उपाध्यय जी अनिल यादव जी ने निभाया

जिला स्तरीय वन स्टॉप सेंटर योजना

की समीक्षा बैठक 7 जुलाई को

उत्तरिया। वन स्टॉप सेंटर में हिंसा से पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा, अस्थाई आवास , स्वास्थ्य लाभ, पुलिस एवं कानूनी सहायता संबंधी सुविधाएं दी जाती है। जिला स्तरीय वन स्टॉप सेंटर योजना की समीक्षा बैठक 7 जुलाई को समय सीमा की बैठक के पश्चात आहूत की गई है।

मंत्री पहुंचे रेलवे प्लाइओवर निर्माण स्थली, कार्यों का लिया जायजा, जल्द काम पूरा करने दिए निर्देश

प्लाइओवर के सर्विस लाइन पर मुरुम डालकर बेहतर आवाजाही बनाने अधिकारियों को किया निर्देशित

विजय मत, अनूपपुर

अनूपपुर रेलवे फाटक पर निर्माणाधीन प्लाइओवर ब्रिज के निर्माण कार्यों का शुक्रवार को शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)दिलीप जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। जहां कार्यों का निरीक्षण करते हुए राज्यमंत्री ने जनहित में कार्यों की गति बढ़ाकर कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में कहीं कोई कमी नहीं हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। राज्यमंत्री ने आरओबी कार्य स्थल के कार्यों का जायजा लेते हुए उर्जा विभाग, सेतु निगम, रेलवे के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के संबंध में मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए। इस

दौरान एसडीएम कमलेश पुरी, तहसीलदार अनुपम पाण्डेय, नायब तहसीलदार श्री मंगलदास चक्रवर्ती सहित रेलवे, सेतु निगम के अधिकारी एवं सविदाकार उपस्थित थे।

सर्विस लाइन पर मुरुम डालने अधिकारियों को निर्देश

निरीक्षण के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने स्थानीय लोगों को आवाजाही में हो रही परेशानी पर सम्बंधित अधिकारियों से प्लाइओवर ब्रिज के दोनों ओर बने सर्विस मार्ग पर मुरुम डलवाने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो।

सर्पदंश से बचाव

सर्पदंश से बचाव में जिले में 869 एंटी वेनम के इंजेक्शन उपलब्ध

विजय मत, अनूपपुर

वर्षा की बूंदों के गिरते ही सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती है, सामान्यतः भोजन की तलाश में जहरीले सर्प उंचे स्थलों व घरों में घुस आते हैं। वहीं पुआल के ढेर, लकड़ियों के गड्ढा, झाड़ी, घरों के भीतर बने सुराख में ये सर्प अपना आश्रय बना लेते हैं। जिसके कारण कभी अचानक वहां पहुंचते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने स्वास्थ्य विभाग को जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी वेनम के इंजेक्शन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता लाने की भी बात कही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सर्पदंश ग्रसित व्यक्ति को यथाशीघ्र नजदीकी अस्पताल ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग, लंबाई या कोई चित्र याद रखें, लेकिन उसे मारने या



पकड़ने का प्रयास न करें, क्योंकि इससे और खतरा हो सकता है। कई बार सांप विप्रेला नहीं भी होता पर उपचार में देर जानलेवा साबित हो सकती है। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंध तभी प्रभावी होंगे जब नागरिक स्वयं भी सावधानी बरतेंगे, समय पर उपचार लेंगे और जागरूकता फैलाने में सहयोग करेंगे। संयुक्त प्रयासों से ही सर्पदंश से होने वाली जनहानि को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिले के प्राथमिक, सामुदायिक तथा जिला अस्पताल में सर्पदंश से पीड़ितों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तथा इंजेक्शन उपलब्ध है। जिले मे वर्तमान में सर्पदंश इंजेक्शन (एंटी वेनम)869 की संख्या में मौजूद है।

सर्पदंश से बचाव में क्या करना चाहिए

कलेक्टर ने लोगों से अपील में बताया कि वर्षा ऋ तु में

विशेष सतर्कता बरतें। झाड़ियों, पुआल के ढेर, लकड़ी के गड्ढा आदि स्थानों में काम करने से पहले वहां डंडे या लाठी से हल्का प्रहार करें। अंगूठे में टॉच का उपयोग करें और बच्चों को बिना देखरेख खुले स्थानों पर न भेजें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें। झरियां काटें और कूड़ा-कचरा हटाएं। घरों की दीवारों में मौजूद दरारें बंद करें और खुले में सोने से परहेज करें। यदि किसी को सर्प ने डस लिया हो तो घबराएं नहीं, शरीर को शांत रखें और तत्काल ही नजदीक स्वास्थ्य केन्द्र या अस्पताल पहुंचें। घाव को चाकू से काटना, चूसना या उस पर कोई रसायन लगाना हानिकारक है। झाड़ू-फूंक, टोना-टोटका या तांत्रिक क्रियाओं में समय न गंवाएं। यह समय जीवन रक्षक हो सकता है, इसलिए हर क्षण अमूल्य है।

राहुल ने देश को परिवार से ऊपर रखा: बदानी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमंग बदानी ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। बदानी ने कहा कि राहुल ने दिखाया है कि देश के लिए किस प्रकार खेला जाता है। साथ ही कहा कि सभी को राहुल से सीखना चाहिये। उनके लिए देश परिवार से भी बड़कर है। हाल ही में वह पिता बना है पर सब कुछ छोड़कर देश के लिए खेलने में लगा है। राहुल मार्च में ही पिता बने थे। वहीं मई में रोहित शर्मा और विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास लेने के बाद राहुल ने टीम में सबसे अनुभवी होने की जिम्मेदारी संभाली और वह टीम के लिए उपलब्ध रहे। उनपर जिम्मेदारी बढ़ गई। अपेक्षाएं बढ़ गईं पर उन्होंने किसी को निराश न करते

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई, एजेंसी

रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम



हुए सभी को पूरा किया है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही नये कप्तान शुभमन गिल को भी समय-समय पर सलाह दी।

बदानी ने कहा, मुझे यह बहुत अच्छा लगा जब उसने कहा था कि मैं दौरे के लिए इंग्लैंड जल्दी जाना चाहता हूं। मैं वहां अभ्यास मुकाबले भी खेलना चाहता हूं। ये भी तब जब वह कुछ माह पहले ही पिता बना है। वह चाहता तो परिवार के साथ रह सकता था पर उससे देश को परिवार से ऊपर रखा। बदानी ने कहा, वह आसानी से कह सकता था- मैं कोई साइड गेम नहीं खेलूंगा।



विदेश दौरा हो सकता है।

जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला।

शास्त्री बोले- बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा

मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये।

शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई



गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी

चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये। भारत क्रिकेट के मामले में

विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरू होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

वहीं वॉन ने कहा, 'चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे



लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, 'डरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है।' ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा, 'मेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है। फारब्रेस ने यह भी कहा कि आर्चर की लय शानदार है और उन्होंने



ओरलैंडो में फीफा क्लब विश्वकप फुटबॉल में खेलते हुए मैनचेस्टर सिटी के रेयान केरिकी व अन्य खिलाड़ी।

ऋषभ की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेले ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है। चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, 'जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है।' चैपल ने कहा, 'सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे।



सोना 97 हजार से नीचे फिसला, चांदी भी फिसलकर 1,06,300 रुपए किलो

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से देश के बाजारों में भी सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 96,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ



हुई। मल्टी कम्पॉडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 826 रुपये की गिरावट के साथ 96,261 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,087 रुपये था। इस समय यह 905 रुपये की गिरावट

के साथ 96,182 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 126 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,629 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,755 रुपये था। इस समय यह 404 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,6,629 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,0,6,286 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

ट्रंप ने कहा- भारत के साथ बहुत बड़ा व्यापार समझौता होगा

■ **भारत ने अब तक हस्ताक्षरित किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में दुग्ध क्षेत्र को नहीं खोला**

वाशिंगटन, एजेंसी



देश है जो इसमें दिलचस्पी रखता हो खैर, हमने कल ही चीन के साथ समझौता किया है। हम कुछ बेहतरीन समझौते कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हम हर किसी के साथ समझौता नहीं करने जा रहे हैं। कुछ लोगों को हम बस एक पत्र भेजकर कहेंगे कि आपका बहुत-बहुत धन्यवाद आप 25, 35, 45 प्रतिशत का भुगतान करेंगे। यह एक आसान तरीका है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक भारतीय दल, अमेरिका के साथ अगले दौरे की व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन में है। दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं और नौ जुलाई से पहले समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं। अमेरिका ने उसके द्वारा दो अग्रैल को घोषित उच्च शुल्क को नौ जुलाई तक के लिए निर्बाधित किया है। भारत के लिए कृषि और दुग्ध क्षेत्र अमेरिका को शुल्क रियायतें देने के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद सेंसेक्स 303 अंक चढ़कर 84,059 पर बंद, निफ्टी में 89 अंक की उछाल

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई पर 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुक्रवार को 303 अंक बढ़कर 84,058.90 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 88.8 अंक ऊपर आकर 25,637.80 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में जियो फाइनेशियल, इंडसइंड बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स में सबसे अधिक उछाल आया। वहीं टैट्ट, डॉ रेड्डीज लैब्स, इरनल (जोमेटो), विप्रो, टाटा कंज्यूमर के शेयर गिरे। आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स के शेयरों में



0.5-0.5 फीसदी की बढ़त रही। आईटी और रियल्टी को छोड़कर बाकी सभी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पावर, टेलीकॉम, पीएसयू बैंक के शेयरों में 0.5-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में तनाव कम होने के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना से भी बाजार में मजबूती आई है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 200 से ज्यादा अंक की बढ़त रही

सभी नियामकीय मंजूरी मिल जाएगी, जैसे कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी। इस सौदे के साथ ही जेएसडब्ल्यू पेंट को दुनियाभर में मशहूर ड्यूलेक्स ब्रांड का भी स्वामित्व मिलेगा। यह भारत के पेंट उद्योग में अब तक की सबसे बड़ी डील में से एक मानी जा रही है। इससे जेएसडब्ल्यू पेंट को एशियन पेंट, बर्गर पेंट और आदित्य बिरला ग्रुप की नई पेंट कंपनियों से मुकाबला करने की ताकत मिलेगी। इस डील से भारत के डेकोरेटिव और इंडस्ट्रियल पेंट मार्केट का चेहरा बदल सकता है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में दोगुनी होगी बीमा राशि

■ **18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख बीमा मिलता है वह अब 4 लाख होगा**

नई दिल्ली, एजेंसी



केंद्र सरकार का वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजीबीवाय) में जीवन बीमा की राशि डबल करने की योजना पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए प्रीमियम में भी तब्दीली की जा सकती है। अभी जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख रुपये का जीवन बीमा मिलता है। इसे बढ़ाकर दोगुना यानी 4 लाख रुपये किया जा सकता है। अभी सालाना प्रीमियम 436 रुपये प्रति सदस्य है, जिसे बढ़ाकर 700 से 800 रुपये के बीच लाने पर भी विचार चल

रहा है। अधिकारी ने बताया कि सरकार प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना में भी बीमा की राशि बढ़ाने पर विचार कर रही है। लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की राय ले रही है और देख रही है कि इसे बढ़ाना कितना व्यावहारिक होगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय को ईमेल भेजा गया था लेकिन अभी तक उसका जवाब नहीं मिला। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समावेशन की इन दोनों अहम योजनाओं के सालाना लक्ष्य हासिल नहीं कर सके।

डीएपी के दाम जून में 800 डॉलर प्रति टन तक पहुंचे

■ **चीन की सख्ती से उर्वरकों का निर्यात हुआ प्रभावित**

नई दिल्ली, एजेंसी



उर्वरकों के निर्यात पर चीन की सख्ती से पानी में चुनने वाले उर्वरकों की आपूर्ति ही प्रभावित नहीं हुई है बल्कि जमकर उपयोग में आने वाले डाई अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) के दाम भी इसकी वजह से चढ़ने लगे हैं। डीएपी के दाम जून में 800 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गए, जो पिछले कुछ महीनों में नहीं देखा गया था। डीएपी के दाम बढ़ने से चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र का सब्सिडी का गणित गड़बड़ा सकता है और आयात करने वाली कंपनियों के मार्जिन को भी चोट लग सकती है। डीएपी के खुदरा दामों में सब्सिडी का बड़ा हिस्सा होता है। उद्योग सत्रों

के मुताबिक 2024-25 में देश में करीब 46 लाख टन डीएपी का आयात किया था, जिसमें चीन की हिस्सेदारी केवल 8.5 लाख टन थी। लेकिन 2023-24 में भारत में आयात हुए 56 लाख टन डीएपी में करीब 22 लाख टन चीन से ही आया था। इस तरह केवल दो साल में चीन से डीएपी आयात करीब 61.3 प्रतिशत गिर गया। भारत में यूरिया के बाद सबसे ज्यादा इस्तेमाल डीएपी का ही होता है और सालाना 100 से 110 लाख टन खपत में 50-60 लाख टन आयात होता है।

